पद १२४

(राग: खमाज जिल्हा - ताल: धुमाळी)

तोचि धन्य जन्मा आला। जो कां सकलमतीं वंदिला।।१।। एका देवा आदरावें। अन्य देवा कां निदावें।।२।। विश्वरूपीं देव राजा। नाना वेषीं भक्तकाजा।।३।। जिलं तरंग नभीं वारा। नामरूपाचा पसारा।।४।। दिवस घटिका पळ पळ जाणा। जन्म नाश मनीं आणा।।५॥ विश्वरूपीं पांडुरंग। घडी घडी पालटे रंग।।६॥ गुण उपासना अनंत। एक चालक चेतन संत।।७।। विषय सर्व विञ्ठलार्पित। जिंग तोचि सहज मुक्त।।८।। ज्ञान मार्तांड हा भाव। सकल घटीं माणिक देव।।९॥